54वीं वार्षिक रिपोर्ट

54th Annual Report

2010 - 2011

योगक्षेमं वहाम्यहम्

LIC

भारतीय जीवन बीमा निगम

LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

CURRENT MEMBERS OF THE CORPORATION

श्री. डी. के. मेहरोत्रा, अध्यक्ष (वर्तमान प्रभारी)
Shri D. K. Mehrotra, Chairman (Current-in-Charge)

श्री. आर. गोपालन
Shri R. Gopalan

श्री. डी. के. मित्तल
Shri D. K. Mittal

श्री. टी. एस. विजयन
Shri T. S. Vijayan

श्री. थॉमस मेथ्यू टी.
Shri Thomas Mathew T.

श्री. ए. के. दासगुप्ता
Shri A. K. Dasgupta

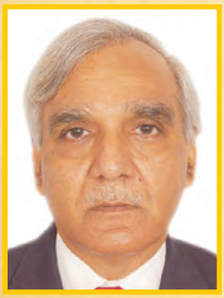

श्री. योगेश लोहिया
Shri Yogesh Lohiya

श्री. एम. व्ही. टंकसाले
Shri M. V. Tanksale

डॉ.सूरनाड राजशेखरन
Dr. S. Rajashekhran

श्री. मोनीस आर. किदवई
Shri Monis R. Kidwai

लेफ्ट. जन. ए. महाजन
Lt. Gen. A. Mahajan

श्री अनुप प्रकाश गर्ग
Shri Anup Prakash Garg

श्री संजय जैन
Shri Sanjay Jain

श्री अशोक सिंह
Shri Ashok Singh

श्री के. एस. संपत
Shri K. S. Sampath

श्री अमरदीप सिंह चीमा
Shri A. S. Cheema

54वीं वार्षिक रिपोर्ट

54th Annual Report

2010-2011

भारतीय जीवन बीमा निगम

LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

विषय सूची

		पृष्ठ
1.	आमुख	5
2.	निगम एवं समितियों के सदस्य, निगम के वरिष्ठ प्रशासक, मुख्य बीमांकक एवं क्षेत्रीय सलाहकार बोर्ड एवं बीमाधारक परिषद के सदस्य	5
3.	आर्थिक परिवेश	5
4.	जीवन बीमा व्यवसाय पर समष्टि आर्थिक परिवेश का प्रभाव	8
5.	कार्य परिणाम :	8
	I) **नव व्यवसाय** : व्यक्तिगत बीमा, सामान्य वार्षिकी, पेंशन, यूनिट लिंक व्यवसाय, समूह बीमा व्यवसाय, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, प्रथम बीमा, ग्रामीण बीमा,	
	II) **विभिन्न क्षेत्रों में चालू व्यवसाय** : व्यक्तिगत बीमा, सामान्य वार्षिकी, पेंशन, यूनिट लिंक व्यवसाय, समूह बीमा व्यवसाय	
6.	पूंजी मोचन तथा निश्चित वार्षिकी व्यवसाय	10
7.	पॉलिसियों के सांविधिक विवरण	10
8.	संगठनजन्य ढांचा	10
9.	जीवन निधि, अधिशेष तथा प्रदत्त कर	10
10.	**निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व** : समूह बीमा योजनाएं एवं अन्य सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक क्षेत्र में निवेश एवं स्वर्णजयंति फाऊंडेशन	10
11.	विपणन गतिविधियां :	11
	विभिन्न चैनलों द्वारा किया गया नव व्यवसाय, उत्पाद विकास, फील्ड कार्मिक प्रशिक्षण, बैंकेश्योरेन्स एवं वैकल्पिक चैनल्स, सूक्ष्म बीमा, स्वास्थ्य बीमा और प्रत्यक्ष विपणन	
12.	अभिकर्ता :	14
	अभिकर्ताओं की संख्या, अभिकर्ता क्लब सदस्यता,वृत्तिक अभिकर्ताओं की योजना, मुख्य जीवन बीमा सलाहकार एवं प्रधिसकृत अभिकर्ता	
13.	**विदेश प्रचालन** : विदेशी शाखाएं, प्रतिनिधि कार्यालय, विदेशी संयुक्त उपकंपनियां	15
14.	विविध कार्यकलाप :	16
	एल. आई. सी. हाऊसिंग फाईनान्स लिमिटेड, एल. आई. सी. एच. एफ.एल.केयर होम्स लिमिटेड, एल. आई. सी.नमुरा म्यूच्युअल फण्ड एसेट मैनेजमेंट कंपनी लि., एल. आई. सी.पेंशन फण्ड लिमिटेड, एलआईसी कार्ड सर्विसेस लिमिटेड	
15.	ग्राहक संबंध प्रबन्धन :	17
	दावों का निबटारा, वैकल्पिक जरियों से प्रीमियम भुगतान, ग्राहकों की शिकायत का निबटारा, SMS व्दारा पॉलिसी संबंधित सुचना, आई. वी. आर. सी.एस./इन्फोसेंटर, कस्टमर जोन एवे वार्षिकी भुगतान.	
16.	निगमित संप्रेषण	20
17.	सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005	20
18.	कार्मिक/कर्मचारी संबंध	21
	कर्मचारियों की संख्या, कर्मचारी संबंध, महिलाओं का सशक्तिकरण, आरक्षणः राष्ट्रीय नीति कार्यान्वयन, अनुसूचित जाति/जनजातियों एवं अन्य पिछडे वर्गों के लिए आरक्षण शारीरिक रुप से विकलांगो के लिए आरक्षण, भूतपूर्व सैनिक कर्मचारियों के लिए आरक्षण, कर्मचारियों को आवासीय ऋण, खेकूद.	
19.	**मानव संसाधन विकास :** संगठन विकास /प्रशिक्षण गतिविधियाँ	22
20.	प्रबंध विकास केन्द्र	23
21.	राजभाषा कार्यान्वयन	23

		पृष्ठ
22.	अभियांत्रिकी कार्यकलाप	24
23.	संपदा/सामरिक व्यवसाय इकाई – संपदा	24
24.	सूचना प्रौद्योगिकी	24
25.	आंतरिक अंकेक्षण	25
26.	निरीक्षण	26
27.	बीमालेखन एवं पुनर्बीमा	26
28.	सतर्कता	26
29.	नामित निदेशक	27
30.	जोखिम प्रबन्धन	27
31.	कार्पोरेट अभिशासन	27
32.	बोर्ड की बैठकें	27
33.	केन्द्रीय प्रबंधन समिति	27
34.	क्षेत्रीय सलाहकार बोर्ड	28
35.	पॉलिसी धारक परिषद	28
36.	जीवन बीमा निगम अधिनियम के अंतर्गत निर्देश	28
37.	लेखा परीक्षक	28
38.	वित्तीय वर्ष 2011–2012 के लिए योजना	28
39.	आभार प्रदर्शन	28
	परिणामों का सारांश	29
	सारणी	33
परिशिष्ट – I		46
	निगम एवं विभिन्न समितियों के सदस्य, निगम के वरिष्ठ प्रशासक एवं नियुक्त बीमांकक, क्षेत्रीय सलाहकार बोर्ड एवं बीमाधारी परिषद के सदस्यगण.	
परिशिष्ट – II		56
	सांविधिक (केन्द्रीय) लेखा परीक्षक	
लेखा :		112
	लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	
जीवन व्यवसाय :		
	वित्तीय विवरण (खण्डीय)	
	तुलन–पत्र : भारत एवं भारत के बाहर संबद्ध एवं असंबद्ध व्यवसाय से संबंधित	116
	भारत राजस्व लेखा : भारत एवं भारत के बाहर संबद्ध एवं असंबद्ध व्यवसाय से संबंधित (सहभागी एवं गैरसहभागी)	118
	लाभ–हानि खाता : भारत एवं भारत के बाहर संबद्ध एवं असंबद्ध व्यवसाय से संबंधित	122
	अनुसूचियां जो वित्तीय विवरणों के अंगभूत हैं (अनुसूचियां 1 से 15 तक)	124
	वित्तीय विवरणों का सारांश	182
	अनुपात	184
	प्राप्ति एवं भुगतान लेखा (नकद प्रवाह विवरण)	186
	पूंजी मोचन (निर्धारित सहित) बीमा व्यवसाय :	
	तुलन पत्र	188
	राजस्व लेखा	190
	लाभ हानि लेखा	192
	अनुसूचियां जो वित्तीय विवरणों के अंगभूत हैं (अनुसूचियां 1 से 4,6,8 और 11 से 14 तक)	194

INDEX

		Page
1.	**PREAMBLE**	57
2.	**MEMBERS OF THE CORPORATION, VARIOUS COMMITTEES, SENIOR EXECUTIVES AND APPOINTED ACTUARY, MEMBERS OF ZONAL ADVISORY BOARD AND POLICYHOLDERS' COUNCIL**	57
3.	**ECONOMIC SCENARIO**	57
4.	**MACRO ECONOMIC FACTORS THAT AFFECTED LIFE INSURANCE BUSINESS**	60
5.	**WORKING RESULTS**	
	I. **New Business -** Individual Assurance, General Annuities, Pensions, Unit Linked Business, Group Insurance Business, Social Security Schemes, First Insurance, Rural Thrust	60
	II. **Business in Force in Various Segments** — Individual Assurance, General Annuities, Pensions, Unit Linked Business, Group Insurance Business	61
6.	**CAPITAL REDEMPTION AND ANNUITY CERTAIN BUSINESS**	62
7.	**STATUTORY STATEMENTS REGARDING POLICIES**	62
8.	**ORGANISATIONAL SET UP**	62
9.	**LIFE FUND, SURPLUS AND TAXES PAID**	62
10.	**CORPORATE SOCIAL RESPONSIBILITY** Investment in social sector Group Schemes and Social Security and Golden Jubilee Foundation	62
11.	**MARKETING ACTIVITIES** New Business procured during 2010-11 Channel wise, Product Development, Field Personnel Training, Bancassurance & Alternate Channels, Micro Insurance and Health Insurance and Direct Marketing	63
12.	**AGENTS** Agency Strength, Agent's Club Membership, Career Agents Scheme, Chief Life Insurance Advisor Scheme and Authorised Agents	66
13.	**OVERSEAS OPERATIONS –** Foreign Branches, Representative Office and Foreign Joint Venture Companies	67
14.	**DIVERSIFIED ACTIVITIES** LIC Housing Finance Ltd., LICHFL Care Homes Ltd., LIC Nomura Mutual Fund Asset Management Company Ltd., LIC Pension Fund Ltd. and LIC Cards Services Ltd.	68
15.	**CUSTOMER RELATIONSHIP MANAGEMENT** Settlement of Claims, Alternate Channels of premium payments, Policy information through SMS, Customer's Grievances Redressal, IVRS / Info Centers, Customer Zones and Annuity Payment	69
16.	**CORPORATE COMMUNICATION**	72
17.	**RIGHT TO INFORMATION ACT, 2005**	72
18.	**PERSONNEL & EMPLOYEE RELATIONS** Staff Strength, Employee Relations, Empowerment of Women, Reservation and National Policy Implementation - Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes, Persons with disablities, Ex-Servicemen, Housing Loan to Employees and Sports	73
19.	**HUMAN RESOURCES DEVELOPMENT / ORGANISATIONAL DEVELOPMENT INITIATIVES / TRAINING ACTIVITIES**	74
20.	**MANAGEMENT DEVELOPMENT CENTRE**	75
21.	**OFFICIAL LANGUAGE IMPLEMENTATION**	75

		Page
22.	ENGINEERING ACTIVITIES	76
23.	STRATEGIC BUSINESS UNIT - ESTATES	76
24.	INFORMATION TECHNOLOGY	76
25.	INTERNAL AUDIT	77
26.	INSPECTION	78
27.	UNDERWRITING AND REINSURANCE	78
28.	VIGILANCE	78
29.	NOMINEE DIRECTORS	79
30.	RISK MANAGEMENT	79
31.	CORPORATE GOVERNANCE	79
32.	BOARD MEETINGS	79
33.	CENTRAL MANAGEMENT COMMITTEE	79
34.	ZONAL ADVISORY BOARD (ZAB)	79
35.	POLICYHOLDERS' COUNCIL (PHC)	80
36.	DIRECTION UNDER LIC ACT	80
37.	AUDITORS	80
38.	BUSINESS PLANS FOR 2011-12	80
39.	ACKNOWLEDGEMENT	80
	SUMMARISED RESULTS	81
	TABLES	85
APPENDIX - I		98
	Members of the Corporation, various committees, Senior Executives and Appointed Actuary, Members of Zonal Advisory Boards and Policyholders' Council.	
APPENDIX - II		108
	Statutory (Central) Auditors	
ACCOUNTS		113
	Auditor's Report	
LIFE BUSINESS		
	Financial Statement (Segmental)	
	Balance Sheet-Non Linked and Linked in respect of Business in India and Out of India.	116
	India Revenue Account-Non Linked and Linked in respect of Business in India and Out of India (Participating and Non Participating)	118
	Profit and Loss Account- Non Linked and Linked in respect of Business in India and Out of India	122
	Schedules forming a part of the Financial Statements (Schedule 1 to 15)	124
	Summary of Financial Statements	182
	Ratios	184
	Receipt and Payment Account (Cash Flow Statement)	186
CAPITAL REDEMPTION (INCLUDING ANNUITY CERTAIN) INSURANCE BUSINESS		
	Balance Sheet	188
	Revenue Account	190
	Profit & Loss Account	192
	Schedules forming part of the Financial Statements (Schedules 1 to 4, 6, 8 & 11 to 14)	194

1. आमुख :

भारतीय जीवन बीमा निगम को 31.3.2011 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 की धारा 27 के अन्तर्गत अपनी 54वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने में हर्ष हो रहा है ।

2. निगम एवं समितियों के सदस्य:

निगम के सदस्यों तथा वर्ष के दौरान इसकी विभिन समितियों के सदस्यों के नाम, निगम के वरिष्ठ प्रशासक, मुख्य बीमांकक, क्षेत्रीय सलाहकार बोर्ड एवं पालिसीधारक परिषद के नाम परिषद के परिशिष्ट I में है। (पृष्ठ सं. 46 से 55 तक)

3. आर्थिक परिदृश्य :

वित्तीय वर्ष 2010-11 के पूर्वार्ध में अर्थव्यवस्था में तेज गति से बढ़ोतरी हुई । भारी घरेलू मांग ने संपूर्ण वर्ष के दौरान अर्थव्यवस्था की स्वस्थ वृध्दि सुनिश्चित की । वित्तीय वर्ष के पूर्वार्ध में, मुद्रास्फीती का मुकाबला करने की दिशा में भारतीय रिज़र्व बैंक का दृष्टिकोण सतर्क रहा । तत्पश्चात् इसका फोकस, निरंतर बने रहे नीतिगत कार्यों के जरिए स्फीतीविषयक दबावों का मुकाबला करने में परिवर्तित हुआ । वैश्विक वस्तुओं की कीमतों में तीव्र बढ़ोतरी के कारण अंतिम तिमाही में आंतरिक मुद्रास्फीती भड़क गई। सामान्य वर्षाऋतु के पुनरागम न से कृषि में महत्वपूर्ण वृध्दि प्रदर्शित हुई । पूरे वर्ष भर आईआईपी आंकड़ों में हुए उतार-चढावों के बावजूद उद्योग में मजबूत वृध्दि बनी रही । वित्तीय वर्ष के दौरान सेवाओं में भी 8.5% की मजबूत वृध्दि बनी रही।

(क) सकल घरेलू उत्पाद : (जी.डी.पी.)

2009-10 के ₹44,93,743 करोड़ की तुलना में 2010-11 में, उत्पादान लागत पर स्थिर मूल्यों पर सकल घरेलू उत्पाद में 8.5% की वृध्दि के साथ ₹48,77,842 करोड़ की बढ़ोतरी हुई, जो 2009-10 की 8% वृध्दि से काफी बेहतर रही। वर्तमान मूल्यों पर, उत्पादान लागत पर सकल घरेलू उत्पाद पिछले वर्ष के 16.1% की तुलना में 19.1% से बढ़ा।

2010-11 में कृषि में अनुमानित वृध्दि 6.6% थी, जिसमें 2009-10 की अनुमानित 0.4% से विशेष सुधार आया है । अनाज, दाल, तिलहन, कपास एवं गन्ने के उत्पादन में भारी वृध्दि हुई ।

औद्योगिक वृध्दि में पिछले वित्तीय वर्ष के 8.0% से 7.9% तक का मामूली संतुलन बना रहा । आईआईपी आंकड़े खनन के 5.2% तथा बिजली के 5.5% की तुलना में, 2010-11 में उत्पादन में 8.9% से मजबूत वृध्दि प्रदर्शित करते हैं । आईआईपी के प्रयोग आधारित वर्गीकरण में, पूंजी वस्तुओं में 14.9% से वृध्दि हुई । उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं में भी 14.1% की भारी वृध्दि हुई । परंतु बुनियादी माल में 6%, अंतर्वर्ती वस्तुओं में 7.2% तथा उपभोक्ता गैर-टिकाऊ वस्तुओं में 3.9% की मामूली वृध्दि हुई ।

सेवाओं में वृध्दि में भी 2009-10 के लिए 10.1% के संशोधित अनुमान से 2010-11 में 9.4% की मामूली कमी आयी। 'व्यापार, होटल तथा परिवहन' और 'वित्त, बीमा, अचल संपत्ति, निर्माण एवं व्यावसायिक सेवाओं' के क्षेत्र में भारी वृध्दि हुई । तथापि, मूल प्रभाव के कारण, समुदाय, सामाजिक एवं व्यक्तिगत सेवाओं की वृध्दि में अवमन्दन हुआ।

(ख) सकल घरेलू बचत : (जी.डी.एस.)

वर्ष 2009-10 में वर्तमान मूल्यों पर सकल घरेलू बचत अनुमानत: रू.22,07,423 करोड़ रूपए रही । सकल घरेलू उत्पाद की तुलना में सकल घरेलू बचत के हिस्से में वर्ष 2008-09 के 32.2% से वर्ष 2009-10 में 33.70%का मामूली सुधार हुआ । सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत रूप में घरेलू क्षेत्र की बचत में 2007-08 के 22.5% से 2008-09 के 23.8% तक वृध्दि के बाद, 2009-10 में 23.4% तक मामूली गिरावट हुई । सकल घरेलू बचत में घरेलू क्षेत्र के हिस्से में 2007-08 के 60.9% से 2008-09 में 74% तक के तीव्र उभार के बाद 69.6% तक गिरावट हुई । सकल घरेलू बचत में घरेलू क्षेत्र की वित्तीय बचत के हिस्से में 2007-08 के 31.7% की तुलना में 2008-09 के 33.4% से 2009-10 में 34.9% तक और अधिक सुधार आया । तथापि सकल घरेलू बचत के प्रतिशत हिस्से के रूप में, घरेलू क्षेत्र द्वारा भौतिक संपत्तियों में की गई बचत में 2007-08 के 29.3%से 2008-09 में 40.6% की तीव्र बढ़ोतरी के बाद 2009-10 में 34.6% तक कमी आयी । इसके विरूध्द, वर्ष 2007-08 की अपेक्षा वर्ष 2008-09 में 2.1% की गिरावट आयी । परंतु वर्तमान कीमतों पर घरेलू क्षेत्र की बचतों में 2008-09 की अपेक्षा 2009-10 में 15.4% की वृध्दि हुई । 2007-08 की अपेक्षा 2008-09 में 18.9% की वृध्दि हुई । वर्ष 2007-08 की अपेक्षा 2008-09 में हुई 3.1% की मामूली वृध्दि की तुलना में, वर्तमान कीमतों पर घरेलू क्षेत्र की वित्तीय बचतों में प्रतिशत परिवर्तन वर्ष 2008-09 की अपेक्षा 2009-10 में 28.6% रहा ।

जीवन बीमा निधि ने मंदी-पूर्व अवधि की उच्च वृध्दि दरें दोबारा प्राप्त की । वर्तमान कीमतों पर, वर्ष 2008-09 में 2.6% की संतुलित वृध्दि के बाद 2009-10 में जीवन बीमा निधि में 33.1% तक बढ़ोतरी हुई । घरेलू क्षेत्र की सकल वित्तीय

बचतों ने 2009-10 की ₹9,91,582 करोड़ से वर्ष 2010-11 में ₹10,43,977 करोड़ तक की 5.3% की बढ़ोतरी देखी । मुद्रा के साथ-साथ सरकार पर दावों में क्रमश: 9.8% से 13.3% तथा 4.3% से 6.5% तक सुधार के साथ संतोषजनक वृध्दि हुई ।

(ग) वित्तीय स्थिति :

जब केन्द्र सरकार के अतिरिक्त राज्य सरकारों ने भी, वित्तीय समेकन उपायों को स्वीकार करना आरंभ किया, सकल वित्तीय घाटे एवं राजस्व घाटे में संयुक्त रूप से, बहुत अधिक सुधार हुआ । जब जी.डी.पी. के अनुपात के रूप में केन्द्र तथा राज्य सरकारों का मिलकर सकल वित्तीय घाटा 2009-10 के 9.3% से घटकर 2010-11 में 7.7% हुआ, राजस्व घाटे में 2009-10 के 5.6% से सकल घरेलू उत्पाद के 3.7% तक बदलाव आया ।

आर्थिक वर्ष 2011-12 के लिए केन्द्र तथा राज्य सरकारों के संयुक्त सकल वित्तीय घाटे का बजट सकल घरेलू उत्पाद के 6.8% है । अपेक्षित से बेहतर कर भिन्न राजस्व और 2010-11 की अंतिम तिमाही से वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए पहले की आर्थिक सहायता की रकम, ये दो कारक, केन्द्र सरकार के वित्तीय घाटे में घटौती में बृहद् रूप से सहायक रहे ।

2010-11 के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकारों के संयुक्त कर राजस्व का बजट अनुमान ₹11,60,267 करोड़ रहा, जबकि 2009-10 के लिए संशोधित अनुमान ₹9,87,510 करोड़ था । 2009-10 के 15.1% की तुलना में, 2010-11 में कर : जी.डी.पी.अनुपात 14.7% रहा ।

(घ) मुद्रा स्थिति :

टेलीकॉम कंपनियों द्वारा, स्पेक्ट्रम भुगतानों के लिए, लिए गए ऋणों के कारण, वर्ष के प्रारंभ में कड़ी तरलता बनी रही । यद्यपि दूसरी तिमाही के प्रारंभ में तरलता की कठोरता में कुछ हद तक नरमी आयी, पूरे वर्षभर वह कड़ी बनी रही । जब भारतीय रिज़र्व बैंक ने अपने मुद्रास्फीती-विरोधी दृष्टिकोण को दृढ़ किया, रेपो एवं रिवर्स रेपो दरों में उत्तरोत्तर वृध्दि प्रदर्शित हुई । हालांकि वित्तीय वर्ष की दूसरी तिमाही में ऋण वृध्दि धीमी हुई, बाद में उसमें भारी सुधार आया । वर्ष के दौरान अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के कुल जमा धन में भारी वृध्दि बनी रही ।

चूंकि रिजर्व बैंक की वित्तीय नीति मुद्रास्फीती को रोक लगाने पर केन्द्रित थी, अत: वित्तीय वर्ष के दौरान मूल नीतिगत दरें 7 बार संशोधित की गईं । 20 अप्रैल, 2010 को रेपो दर को 5% से 5.25% तक बढ़ाया गया और 17.03.2011 तक उसमें 6.75% तक वृध्दि की गई । इस अवधि के दौरान रिवर्स रेपो दर में 3.50% से 5.75% तक 225 आधार अंकों की बढ़ोतरी हुई । 24.04.2010 को सीआरआर में 5.75% से 6%की मामूली बढ़ोतरी की गई ।

(ङ) मुद्रास्फीती :

पूरे वर्ष में, हेडलाईन मुद्रास्फीती दर भारतीय रिज़र्व बैंक के आश्वासक स्तर से ऊपर बनी रही । यद्यपि वित्तीय वर्ष के पूर्वार्ध में मुद्रास्फीती में सुस्थिर उतार रहा, नवम्बर, 2010 माह के नीचांक 8.2% को स्पर्श करने के बावजूद, उत्तरार्ध में मुद्रास्फीती द्विअंकीय स्तर से लगभग निम्न रही । आरंभ के महीनों में खाद्य की कीमतें काफी ऊंची हो जाने के कारण उच्च मुद्रास्फीती में प्राथमिक वस्तुओं का अंशदान सर्वाधिक रहा । यद्यपि प्राथमिक वस्तुओं के मुद्रास्फीती स्तरों में कुछ संतुलन था, वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही में इंधन तथा विद्युत और साथ-ही-साथ विनिर्मित उत्पादों का मुद्रास्फीती स्तर उच्च रहा ।

औद्योगिक रोजगार से संबंधित उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI-IW) में अप्रैल, 2010 के 13.3% से नवम्बर, 2010 में 8.3% तक भारी कमी आयी । तथापि, संपूर्ण शेष अवधि में वह 8.5% स्तर के ऊपर स्थिर रहा ।

(च) शेयर तथा ऋण (इक्विटी तथा डेट) बाजार :

अप्रैल-मई, 2010 के दौरान मांग द्रव्य दरों में वृध्दि हुई थी और भारतीय रिज़र्व बैंक ने विकासशील वित्तीय नीति से कैलिब्रेटेड प्रस्थान आरंभ किया था । तत्पश्चात्, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा आधार दर प्रणाली एवं घाटा तरलता में परिवर्तन की सहायता से पहल किए गए वित्तीय नीतिगत परिवर्तनों की अनुक्रिया में मांग द्रव्य दरों में संतोषजनक बढ़ोतरी हुई । मांग द्रव्य दरों में पिछले वित्तीय वर्ष के 3.2% की तुलना में 5.8% तक वृध्दि हुई । 10 वर्षीय जी-सेक पर प्रतिफल आय में 2009-10 के 7.2% से 2010-11 में 7.9% तक परिवर्तन हुआ । औसत दैनिक मांग द्रव्य मार्केट टर्नओवर में 11.3% से ₹17,727 करोड़ तक वृध्दि हुई, परंतु औसत दैनिक जी-सेक मार्केट टर्नओवर में 1.2% से ₹14,256 करोड़ तक कमी आयी ।

यूरो क्षेत्र की ऋण से संबंधित परिस्थिति से उत्पन्न सख्त तरलता स्थिति के कारण शेयर बाजार प्रभावित हुए । यद्यपि यूरो क्षेत्र की चिंताओं के कारण प्रथम तिमाही में शेयर बाजारों में न्यून-कार्यनिष्पादन रहा, एफआईआई फ्लो के पुनरागमन के बाद द्वितीय एवं तृतीय तिमाही में शेयरबाजारों के कार्यनिष्पादन में संतोषजनक सुधार हुआ । अंतिम तिमाही में, निगमित लाभदायकता एवं कमजोर निवेश परिस्थिति के कारण वैश्विक आर्थिक स्थितियां चिंताजनक रहीं । परिणामस्वरूप, वित्तीय वर्ष के अंत तक, द्वितीय एवं तृतीय तिमाही में प्राप्त अधिकतम लाभ लुप्त हो गए । बीएसई सेनसेक्स 2009-10 के अंत के 17,528 की तुलना में 11% से उच्च, 19,445 पर समाप्त हुआ । सीएनएक्स निफ्टी में भी 5249 से 5834 तक 11% की अनुकूल बढ़ोतरी हुई । तथापि सकल घरेलू उत्पाद से मार्केट कैप का अनुपात सेनसेक्स एवं निफ्टी दोनों में क्रमश: 99% से 87% और 96% से 85% तक गिर गया । पब्लिक इश्यूज के माध्यम से, 2009-10 के ₹32,607 करोड़ की तुलना में ₹37,620 करोड़ की राशि जुटाई गई । परंतु एडीआर/जीडीआर द्वारा जमा की गई राशि में ₹15,967 करोड़ से ₹9,441 करोड़ तक तेज़ गिरावट आयी । निजी प्लेसमेंटों में भी ₹3,43,279 करोड़ से ₹2,38,394 करोड़ की भारी गिरावट देखी गई। म्युच्युअल फंडों द्वारा सकल संसाधन संघटन, पिछले वित्तीय वर्ष के ₹83,080 करोड़ के संघटन के विपरीत, ₹49,406 करोड़ की गिरावट का साक्ष्य रहा ।

(छ) वैश्विक परिवेश :

उभरते बाज़ारों में तगड़े समुत्थान एवं विकसित अर्थव्यवस्थाओं में परिवर्तन की पुन: वापसी के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था पुन: प्रगति पथ पर लौट आयी । यद्यपि 2009 के 5% के संकुचन की तुलना में, 2010 में वैश्विक आर्थिक वृध्दि 5.1% रही, विकसित अर्थव्यवस्थाओं द्वारा प्रदर्शित 3% वृध्दि की तुलना में उभरते बाज़ार 7.4% की दर से विकसित हुए । तथापि, यूरोपीय परिधि के देशों की सम्प्रभुता ऋण संबंधी महत्वपूर्ण समस्याओं तथा वर्ष के उत्तरार्ध में विकसित अर्थव्यवस्थाओं की कमजोर आर्थिक वृध्दि ने सुधार की प्रक्रिया के लिए चुनौती खड़ी की । तथापि, खाद्य एवं वस्तुओं की बढ़ती हुई कीमतों के कारण उभरते हुए बाजारों में स्फीतीविषयक दबाव के तीव्र हो जाने से वहां की अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीतीविरोधी नीतियों को प्रोत्साहन मिला । वैश्विक व्यापार में एक प्रकार का आवेश था, जिसने जुलाई, 2008 की संकट-पूर्व स्थितियों को मात दी । यूरोपीय क्षेत्र, अमेरीका एवं जापान में मौद्रिक समेकन संबंधी मामलों पर विशेष अधिक ध्यान दिया गया। साथ ही, अमेरीका तथा प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं ने गंभीर बेरोजगारी का मुकाबला किया ।

(ज) बाह्य क्षेत्र :

हालांकि वस्तुओं एवं तेल की बढ़ती हुई कीमतों के कारण आयात पर अत्यधिक दबाव पड़ा, वृध्दिगत हुई निर्यात तथा उच्चस्तरीय अदृश्य अधिशेष के साथ भारत की भुगतान शेष स्थिति में संतोषजनक सुधार हुआ । वर्ष के दौरान, भारत की निर्यात में 42.3% और आयात में 22.3% की प्रगति हुई। पिछले वित्तीय वर्ष के लिए ये आंकड़े क्रमश: 2.2% तथा 3.5% थे । हालांकि व्यापारिक घाटा वास्तविक रूप से यूएस डॉलर 118 बिलियन से यूएस डॉलर 130 बिलियन तक बढ़ गया, सकल घरेलू उत्पाद के रूप में उसमें 8.6% से 7.5% तक कमी आयी । परिणामस्वरूप, 2009-10 में चालू खाते के घाटे में सकल घरेलू उत्पाद के 2.8% से 2010-11 में सकल घरेलू उत्पाद के 2.6% तक गिरावट आयी ।

हालांकि पूंजीगत प्रवाहों में पिछले वर्ष की अपेक्षा यूएस डॉलर 6.3 बिलियन से बढ़ोतरी हुई, किन्तु इनकी अस्थिरता तथा संयोजन के संबंध में कुछ समस्याएं थीं । यद्यपि पूंजीगत प्रवाहों पर एफआईआई धन, ईसीबी जैसे ऋण विनिर्माण प्रवाहों एवं अल्पावधि ऋण का प्रभाव रहा, किन्तु एफडीआई संतुलित रहा। इसके अतिरिक्त, आकस्मिक निवल बहिर्वाह की घटनाएं हुईं, जो निवेशक के विचारों में परिवर्तन के ही समान थीं । भारत के विदेशी मुद्रा प्रारक्षित निधि में यूएस डॉलर 25.8 बिलियन से यूएस डॉलर 316.6 बिलियन की वृध्दि हुइ । वाणिज्यिक ऋणों में वृध्दि, अन्य प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर क अवमूल्यन के परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2010-11 के अंत में भारत के बाह्य ऋण में 17.2% से यूएस डॉलर 306 बिलियन तक वृध्दि हुई ।

(झ) बीमा क्षेत्र :

2010-11 में जीवन बीमा निधि में ₹2,24,487 करोड़ की तुलना में ₹2,52,919 करोड़ तक वृध्दि हुई । सकल वित्तीय बचतों के प्रतिशत के रूप में उसके हिस्से में 2009-10 के 22.6% से 2010-11 में 24.2% की बढ़ोतरी दर्ज़ हुई । भारतीय जीवन बीमा निगम तथा निजी बीमा कंपनियों के जीवन निधि के हिस्से में 2009-10 में सकल वित्तीय बचतों के 22% की तुलना में 2010-11 में 23.8% की वृध्दि हुई । इन राशियों का वर्तमान मूल्य 2009-10 में ₹2,17,973 करोड़ की तुलना में वर्ष 2010-11 में ₹2,47,993 करोड़ रहा । वर्ष 2009-10 में जीवन बीमा निधि उत्पादन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद के 3.7% रहा । 2008-09 के 3.3% की अपेक्षा यह प्रगति-प्रदर्शक रहा ।

2010-11 में समूह व्यवसाय सहित जीवन बीमाकर्ताओं का कुल प्रथम वर्ष प्रीमियम 15.1% की वृध्दि के साथ ₹1,25,826 करोड़ रहा, जबकि 2009-10 में यह ₹1,09,290 करोड़ था । वर्ष के पूर्वार्ध में वृध्दि दर 59.3% थी, जिसमें वर्ष के उत्तरार्ध में तीव्र गिरावट आयी । 2009-10 की तुलना में 2010-11 में बीमा कंपनियों द्वारा बेची गईं नई बीमा पालिसियों की संख्या में 9.5% का ऋणात्मक परिवर्तन हुआ । जीवन बीमाकर्ताओं द्वारा बेची गईं नई जीवन बीमा पालिसियों की संख्या वर्ष 2009-10 के 5,32,24,435 से घटकर 2010-11 में 4,81,51,884 हुई ।

भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रथम वर्ष प्रीमियम के मार्केट शेयर में वर्ष 2009-10 के 64.9% से 2010-11 में 68.7% तक वृध्दि हुई । पालिसियों के आधार पर भी, निगम के मार्केट शेयर में 2009-10 के 73% से वर्ष 2010-11 में 76.9% की बढ़ोतरी हुई ।